K–1088

Total Page No. : 3] **[Roll No. .....**

DVK–104

Diploma in Vedic Karmkand (DVK)
Ist Year Examination Dec., 2023

ग्रह शान्ति एवं संस्कार विधान

Time : 2 Hours] [**Max. Marks :** 100

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। **परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।**

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×26=52

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. मूल शान्ति के प्रायोगिक विधान का वर्णन कीजिए।

2. उपनयन संस्कार के महत्व पर प्रकाश डालिए।

3. अग्न्युत्तारण सविधि वर्णन कीजिए।

4. संस्कारों का व्यक्तित्व निर्माण में क्या योगदान है ? इस पर लेख कीजिए।

5. जातकर्म संस्कार क्या है ? इसका सविस्तार वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×12=48

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. गोधूली वेला से आप क्या समझते हैं ? इसका लक्षण लिखिए।

2. समावर्तन संसकार विधि का वर्णन कीजिए।

3. लोक व्यवहार में कर्मकाण्ड की क्या महत्वता है ? इसे स्पष्ट कीजिए।

4. स्मृति ग्रन्थों के आधार पर संस्कारों की अवधारणाओं पर प्रकाश डालिए।

5. विवाह संस्कार के लिए शुभ मुहूर्तों का वर्णन कीजिए।

6. यज्ञोपवीत संस्कार की विशिष्टता पर प्रकाश डालिए।

7. ब्रह्मचर्याश्रम में दण्ड के महत्व को परिभाषित कीजिए।

8. गुरु ग्रह के शान्ति विधि को लिखिए।

****